

21/10-19

8

पञ्चवली पेशवुद्धी) वस्त्रील अपीमान् अनुपासित।
अपीमान् अपीमान् के अपीवका को
बाइ-बाइ केके-रुक कर आकाज दिन्ना
मदि पालु नानामय के केदि सी उपासित

